Skill Development Programme
For Answer Writing
Current Affairs
Model Answer

DATE : 19-Aug-2018 **TIME : 01:15 pm**

मुख्य परीक्षा

प्र. हाल ही में असम सरकार द्वारा जारी किए गए राष्ट्रीय रजिस्टर सिटीजन (एनआरसी) के मसौदे ने कई समस्याओं को जन्म दिया है। इन समस्याओं से निपटने हेतु उचित उपाय सुझाएँ, साथ ही यह भी निर्धारित करें कि वास्तव में हमारा लोकतंत्र कितना मानवीय रह गया है? (250 शब्द, 15 अंक)

Recently released draft of National Register of Citizens has given rise to many problems. Suggest appropriate measures to resolve these problems. Along with it also determine how much humanist our democracy has remained in reality? (250 Words, 15 Marks)

MODEL ANSWER

उत्तर- भूमिका में एनआरसी के बारे में समझाएं तथा उसके संक्षिप्त इतिहास का उल्लेख करें।
अगले पैरा में बताएं कि क्या वास्तव में हमारा लोकतंत्र मानवीय है?
अंत में संक्षिप्त निष्कर्ष लिखें।

क्या है?

1. असम में 1951 की जनगणना के बाद राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) की शुरुआत हुई जिसमें नाम नहीं होने पर शख्स को अवैध नागरिक माना जाता है।
2. यह व्यवस्था अपनाने वाला असम एकमात्र राज्य है।
3. असम समझौता 1985 के मुताबिक, 24 मार्च 1971 की आधी रात तक राज्य में प्रवेश करने वाले लोग ही भारतीय नागरिक है।
4. 1951 में एनआरसी के निर्माण के बाद 1960 में एनआरसी डाटा पुलिस को सौंप दिया गया था।

एनआरसी में शामिल हुए लोगों के प्रमुख मुद्दे-

1. प्रकाशित होने वाले नागरिकों के राष्ट्रीय रजिस्टर के दूसरे मसौदे से बाहर किए गए लोगों की संख्या में चार मिलियन से अधिक लोगों ने इतने सारे व्यक्तियों की कानूनी स्थिति के बारे में बड़ी चिंता की है, इसलिए इस तरह के एक मुद्दे को संभालने के लिए अत्यंत संवेदनशीलता की जानी चाहिए।
2. माना जाता है कि मजबूत परिवार सत्यापन प्रक्रिया के परिणामस्वरूप माता-पिता के मसौदे की सूची में नाम तो हैं लेकिन सूची में ऐसे कई उदाहरण सामने आए हैं, -जैसे उस मसौदे सूची में कुछ गलतियों के कारण बच्चे स्वत: उस सूची से बाहर हो गये हैं। इसके अलावा निर्वाचित प्रतिनिधियों के नाम भी गायब हैं।
3. इसके अलावा जिन लोगों को एनआरसी चेहरे से बाहर रखा गया है, उदाहरण के लिए अनिश्चित भविष्य बांग्लादेश उन्हें स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं है और यहां तक कि भारत में भी उन्हें प्रतिरोध का सामना करना पड़ सकता है।
4. भारत विभिन्न देशों के शरणार्थियों के प्रति अपने मानवीय दृष्टिकोण के लिए दुनिया भर में जाना जाता है। इसने भारत की छवि को दुनिया भर में लोकतंत्र के रूप में मजबूत किया। इसलिए एनआरसी सरकार के संबंध में यह सुनिश्चित करने की जरूरत है कि परिवार अलग नहीं हो जाते हैं, लोगों के मानवाधिकारों को तब भी कायम रखा जाता है, जब वे एनआरसी में शामिल न हों। इसलिए निर्वासन देखना एक अच्छा विचार नहीं है। भारत में लोगों के लिए नागरिकता की स्थिति के साथ और स्पष्टता की आवश्यकता है।

निष्कर्ष-

- सरकार को इस नैतिक दुविधा को हल करने के तरीके पर अपना विचार दें।

* * *